पेट के गम, कुछ ज़्यादा कुछ कम

Shiv Kumawat

आहारनाल, जुबाँ और बत्तीस उजले दाँत
एक पेट, एक लीवर और छोटी बड़ी आँत
बस इतनी सी चीज़ों में GI system खतम
पर गिनती के अंगों को दुनिया भर के गम

पोले पोले मुहँ में पीले पीले निशान
जुबाँ केसरी करने में दाँत अंतर्ध्यान
क्या उगले क्या निगले, नहीं रहे ध्यान
TEF, Achalasia में बच्चा परेशान

चार पकौड़े खा लो तो म्यूकोसा नाराज़
एसिड की टोंटी खोले *H.pylori* महाराज
शक्कर से अनबन कर बैठे पैंक्रियाज़
ज़िंदगीभर की जंग का इंसुलिन इलाज

ऊट-पटाँग दवाईयाँ या फीवर, शराब
बात बात में आजकल लीवर खराब
थोड़ा फैट बढ़ाने का देखे कोई ख्वाब
तो पथरी बना बैठें gallbladder साब

इम्यून सिस्टम की अपनी अलग ही मनमर्ज़ी
कभी गाय, कभी दूध, कभी गेहूँ से एलर्जी
अंपेडिक्स तो अंग ही नालायक और फर्जी
सूज जाए तो लगाते रहो सर्जरी की अर्जी

आँते कुंडली डालकर पड़ी रहतीं मस्त
कम हिले तो कब्जी, ज्यादा हिले तो दस्त
पंचर हुई तो बच्चे के अस्थि-पँजर ध्वस्त
फँस जाए तो अंदर का सिस्टम अस्त-व्यस्त

बाहर लटकती तोंद पर गैस की मार
और भी छोटे मोटे झँझट कई हज़ार
जब ना पड़े यहाँ वहाँ के नुस्खों से पार
तो भई गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ही करेंगे उद्धार

Department of Pediatrics, ESIC Model Hospital, Jaipur, Rajasthan, India
Email: shivkumawat841@gmail.com